Bilaspur Patrika

EDII

10 December, 2021

डील: युवाओं में है असीम क्षमता, देश में उद्यमिता के लिए अनुकूल समय

सेंट्रल यूनिवर्सिटी और एडीआईआई के बीच समझौता, एमओयू पर हस्ताक्षर

बिलासपुर @ पत्रिका. गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफ़ेसर आलोक कुमार चक्रवाल की उपस्थिति में बुधवार को केन्द्रीय विश्वविद्यालय और एंटरप्रिन्योरशिप डेवेलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफइंडिया के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की ओर से प्रभारी कुलसचिव सूरज कुमार मेहर और एंटरप्रिन्योरशिप डेवेलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफइंडिया (ईडीआईआई) अहमदाबाद की ओर से महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने हस्ताक्षर किये।

रजत जयंती सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर चक्रवाल ने कहा कि दोनों संस्थानों के बीच हुए एमओयू का आज का दिन विश्वविद्यालय के लिए ऐतिहासिक है साथ ही आने वाले समय में आज के दिन को गर्व के साथ याद किया जाएगा।

उद्यमिता विकास के लिए मानसिकता में बदलाव पर जोर देते हुए पांच एस साहस, समन्वय, सहयोग, सकारात्मकता और सृजनशीलता के गुणों को जरूरी बताया। कुलपति ने कहा कि एंटरप्रिन्योरशिप डेवेलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, विश्व में अपने तरह की अकेली संस्था है। मैं गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में ही नहीं बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर ज्योति जगाना चाहता हूं। उद्यमिता के लिए जरूरी साहस और परिश्रम की छत्तीसगढ़ और उससे समीपवर्ती राज्य मध्य प्रदेश, झारखंड और ओड़िशा में कोई कमी नहीं, यहां सिर्फउद्यमिता विकास लिए जागरुकता की अलख जगाने की आवश्यकता है। मैं इस विश्वविदयालय के विद्यार्थियों को केवल शिक्षित नहीं बल्कि सक्षम, समर्थ एवं काबिल बनाना चाहता हूं ,जो मानसिक तौर पर मजबूत उद्यमी प्रकृति के साथ जो नौकरी मांगने वाले नहीं, देनें वाले बनें। यह अभी शुरुआत है लेकिन शुरुआत अच्छी है। विश्वविदयालय के शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी में क्षमता, शक्ति और संभावनाएं हैं। आप सभी को परिवर्तन लाने के लिए उत्प्रेरक बनना है।

इस अवसर पर उन्होंने उद्यमिता के क्षेत्र में शून्य से शिखर पर पहुंचने वाले प्रसिद्ध उद्योगपतियों के कौशल, चांतुर्य, विवेक और चयन का उदाहरण प्रस्तुत किया।

क्षेत्र के युवाओं के साथ काम करने का मिलेगा अवसर

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सुनील शुक्ला महानिदेशक एंटरप्रिन्योरशिप डेवेलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफइंडिया (ईडीआईआई) अहमदाबाद ने कहा कि गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के साथ एमओयू होने से इस क्षेत्र के युवाओं के साथ कार्य करने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय में उद्यमिता के क्षेत्र में विकास की असीम क्षमता है, हमें इस क्षमता को संग्रहित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हर व्यवसाय में नवाचार संभव नहीं होता बल्कि कौशल विकास, मूल्य वृद्धि एवं व्यापार के प्रसार की संभावना होती है। हम पहले से छत्तीसगढ़ के कई क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं। देश में उद्यमिता के लिए यह बहुत ही अनुकूल समय है। इस अवसर पर प्रो. शुक्ला ने सरकार की विभिन्न योजनाओं मुद्रा योजना, स्टार्ट अप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया के अनुदान के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी।